>

Title: Need to provide a special financial package for overall development of districts of Eastern Uttar Pradesh including Chandauli district.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल क्षेत्र विकास की दृष्टि से अति पिछड़ा हुआ क्षेत्र है । पूर्वांचल के सभी जनपदों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है । यहां के लोगों को विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु कोई अस्पताल नहीं है, जहां गंभीर बीमारियों का इलाज कराने की पूर्ण सुविधायुक्त अस्पताल हो । पूर्वांचल के जनपद जो प्रतिवर्ष गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं । वहीं यहां के नवयुवकों के लिए रोजगार का कोई अवसर नहीं मिलता है । शुद्ध पेयजल न मिलने से विभिन्न गंभीर बीमारियों सहित गले के रोग से हजारों लोग पीड़ित हैं । पूर्वांचल में सड़कों का काफी अभाव है, जिसके चलते यहां के लोगों को अवागमन में काफी कठिनाई होती है। पूर्वांचल के कई जनपदों में बुनकरों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन आर्थिक मदद न मिलने के चलते बुनकरों का उद्योग बंद होने के कगार पर है । बनारस का प्रसिद्ध साड़ी उद्योग भी काफी नाजुक दौर से गुजर रहा है । इस उद्योग को बचाये रखने के लिए आर्थिक मदद किये जाने की आवश्यकता है । पूर्वांचल में प्रतिवर्ष बाढ़ सूखा और जलाभाव के चलते किसानों की फसल बर्बाद हो जाती है । सूखे से बचने के लिए सिंचाई परियोजना का नवीनीकरण तथा क्षमता वृद्धि किये जाने की आवश्यकता है । जल निकासी के लिए ड्रेनों की खुदाई तथा नये ड्रेन का निर्माण कराये जाने की आवश्यकता हे । पूर्वांचल का जनपद चंदौली बने 15 वर्ष हो गये हैं, लेकिन अभी तक जिला मुख्यालय भी नहीं बन सका है जिसके चलते जनपद में विकास कार्य बाधित हो रहा है । जनपद चंदौली तथा जनपद वाराणसी में ग्रामीण विद्युतीकरण के कार्य अभी भी आधे-अधूरे हैं । इसकी परियोजना भारत सरकार के पास लंबित है । जिन पर तत्काल धन उपलब्ध कराये जाने की आवश्यकता है। पूर्वांचल से नवयुवकों का पलायन भी जारी है।

अतः भारत सरकार से मेरी मांग है कि पूर्वांचल के जनपदों सहित जनपद चंदौली में विभिन्न समस्याओं एवं सभी बुनियादी सुविधाओं आदि के लिए एक विशेष पैकेज दिये जायें, ताकि पूर्वांचल के सभी जनपदों सहित नक्सल प्रभावित जनपद चंदौली का भी विकास हो सके ।